भारतात्मा अशोकजी सिंघल वेद पुरस्कार - 2026

॥भारतात्मा पुरस्कार॥

वेद सेवा को समर्पित

भारतात्मा अशोकजी सिंघल

सर्वविदित है कि श्री अशोकजी सिंघल का सम्पूर्ण जीवन हिन्दू धर्म के उत्थान के लिए समर्पित था। परन्तु बहुत कम लोग जानते हैं कि वे वेदों के ज्ञाता थे और वैदिक शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए भी उन्होंने बहुत कार्य किए थे।

कानपुर में संघ के प्रचारक के रूप में काम करते हुए अशोकजी ने अपने गुरुदेव से वेदज्ञान प्राप्त किया। उनकी यह दृढ़ मान्यता थी कि केवल वेदों के संरक्षण और प्रसार द्वारा ही भारतीय संस्कृति जीवित रखी जा सकती है। इसी मान्यता को मूर्त रूप देने के उद्देश्य से उन्होंने अपने जीवनकाल में तीन विश्व वेद सम्मेलन आयोजित करवाए। सन् 1992 का पहला विश्व वेद सम्मेलन विश्व के सर्वोच्च वेदपण्डितों का एक अद्भुत संगम था। इससे हिन्दू जीवन और संस्कृति में वेदों का कितना महत्त्व है, यह स्पष्ट हुआ। इनके नेतृत्व में विश्व हिन्दू परिषद् ने अनेक वेदविद्यालय प्रारम्भ किए, जो आज भी वेदाध्ययन परम्परा में समर्पित हैं।

भारतात्मा-अशोकजीसिङ्घलः

अशोकसिंघलमहाभागस्य सकलं जीवनं हिन्दुतायाः अग्रेसारणाय समर्पितमासीदिति सुविदितमेव तथापि तस्य वैदिकज्ञानं तथा वेदानां वैदिकविद्यानां च प्रचाराय तेन कृतं महत्कार्यं तावत् अप्रसिद्धमेवास्ति।

अशोकमहाभागः यदा कर्णपुरे राष्ट्रियस्वयंसेवकसंघस्य प्रचारकः आसीत् तदा वेदशास्त्रयोरद्वितीयाऽवबोधवता तद्गुरुदेवेन वेदज्ञानं लब्धवान्। अशोकमहाभागः दृढं विश्वसिति स्म यत् केवलं वेदानां परिरक्षण-प्रचाराभ्यामेव भारतीयसंस्कृतिः संरक्षितुं शक्यते। इमामेव विचारसरणिं मूर्तरूपं प्रदातुम् अशोकमहाभागः स्वजीवनकाले त्रीणि विश्ववेदसम्मेलनानि समायोजयत्। १९९२ तमवर्षस्य प्रथमं विश्ववेदसम्मेलनं विश्वस्य श्रेष्ठवेदपण्डितानाम् अद्भुतं मेलनमासीत्। इमानि सम्मेलनानि हिन्दुजीवनसंस्कृत्योः कृते वेदानां योगदानं प्रकाशयितुम् उपकारकाणि आसन्। अस्य महाभागस्य नेतृत्वे नैके वेदविद्यालयाः विश्वहिन्दुपरिषदा समारब्धाः, ये अद्यापि वेदाध्ययनपरम्परायां समर्पिताः सन्ति।

Bharatatma Ashokji Singhal

Everyone knows that Shri AshokJi Singhal devoted his entire life to Hindu religion. But a lesser known fact is that he was a Vedic scholar and did a lot to propagate Vedic education.

While working as Sangh Pracharak in Kanpur, Ashokji acquired knowledge of the Vedas from his guru. He believed that Indian culture can only survive through the protection and propagation of Vedas. To make this happen, he organised three World Veda Sammelans in his lifetime. The first World Veda Sammelan organised in 1992 was a unique gathering of world top Vedic scholars. It showcased the importance of Vedas in the lives of Hindus and to the culture of our land. Under his leadership, several Veda schools were started by Vishwa Hindu Parishad and these are still in operation.

Singhal Foundation

c/o Secure Meters Ltd, Pratapnagar Industrial Area, Udaipur 313003

T: +91 73576 58777 | E: info@singhalfoundation-udaipur.org

www.bharatatmapuraskar.org

उत्कृष्ट वेदविद्यार्थी

यह पुरस्कार उस उत्कृष्ट वेदविद्यार्थी को प्रदान किया जाता है, जिसने वेदाध्ययन में उत्कृष्टता प्रस्तुत की है।

इस पुरस्कार के अन्तर्गत एक प्रमाण-पत्र, पदक और तीन लाख रुपये (₹ 3,00,000) की नकद राशि प्रदान की जाती है।

इस पुरस्कार के योग्य होने के लिए आपको निम्नलिखित सभी पात्रताएँ पूरी करना आवश्यक हैः

- आपको 31 दिसंबर 2025 तक या वर्तमान में श्रुति-परम्परा में एक योग्य वेदविद्यालय अथवा वेदाध्यापक का पूर्णकालिक वेदविद्यार्थी होना आवश्यक है।
- यदि आप श्रुति-परम्परा के अनुसार वेदाध्ययन करने के उपरान्त वैदिक साहित्य आदि का अध्ययन कर रहे हैं और आजीविका के लिए किसी अन्य गतिविधि में संलग्न नहीं हैं, तो आप आवेदन करने के पात्र हैं।
- वेदाध्ययन में मूलान्त से लेकर आपकी वर्तमान वैदिक योग्यता-स्तर तक के स्पष्ट और प्रमाण योग्य अभिलेख (रिकॉर्ड) उपलब्ध हैं।
- आपने "स्तर-1" की न्यूनतम योग्यताएँ प्राप्त कर ली हों।
- आपने विगत तीन वर्षों में भारतात्मा उत्कृष्ट वेदविद्यार्थी पुरस्कार प्राप्त नहीं किया है।

पात्र वेदविद्यार्थियों की उत्कृष्टता का मूल्याङ्कन निम्न आधार पर किया जाएगाः

- वेदाध्ययन में उत्कृष्टता जो वैदिक शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर शैक्षिक उपलब्धियों द्वारा प्रमाणित हुई है।
- वैदिक शिक्षा में निरन्तरता।
- पढ़े गए वेद के पारम्परिक पाठ में प्रवाह।
- शिक्षा के अन्य क्षेत्रों में रुचि का स्तर।
- वैदिक परम्पराओं के अनुसार जीवन आचरण।
- स्ववेदशाखा या वेदग्रन्थों के अतिरिक्त अन्य वेदशाखाओं व ग्रन्थों का अध्ययन।

उत्कृष्ट-वेदविद्यार्थी

एषः पुरस्कारः तस्मै उत्कृष्टाय वेदविद्यार्थिने दीयते, येन वेदाध्ययने उत्कृष्टता प्रस्तुता।

पुरस्कारान्तर्गते प्रमाणपत्रं, पदकं, लक्षत्रयात्मकरूप्यराशिश्च (₹ ३,००,०००) प्रदीयते।

अस्य पुरस्कारस्य योग्यतासिद्ध्यर्थं भवता अधोनिर्दिष्टाः सर्वे पात्रतामापदण्डाः अवश्यं पूरणीयाः सन्ति।

- भवान् ३१ दिसम्बर २०२५ पर्यन्तम् अथवा सम्प्रति श्रुतिपरम्परायां योग्यवेदविद्यालयस्य व्यक्तिगतगुरोर्वा पूर्णकालिको वेदविद्यार्थी भवेत् इत्यावश्यकम्।
- यदि भवान् श्रुतिपरम्परानुसारं वेदाध्ययनोपरान्तं वेदशास्त्रादिषु अध्ययनरतः अस्ति तथा च आजीविकार्थम् अन्योपक्रमे संलग्नः नास्ति चेत् आवेदनार्थं भवतः योग्यता वर्तते।
- वेदाध्ययने मूलान्तादारभ्य भवतः अद्यतनवैदिकयोग्यतायाः स्तरस्य स्पष्टः अन्वेषणयोग्यः च अभिलेखः उपलब्धः भवेत्।
- भवता प्रथमस्तरस्य न्यूनतमयोग्यताः अर्जिताः स्युः।
- भारतात्मापुरस्कारस्य पूर्वविजेता - भवता विगतेषु त्रिषु वर्षेषु भारतात्मापुरस्कारः प्राप्तः न स्यात्।

अर्हाणां वेदविद्यार्थिनाम् उत्कर्षस्य मूल्याङ्कनम् अधोनिर्दिष्टविषयायत्तम्-

- वेदाध्ययने उत्कृष्टता या वैदिक-शिक्षायाः विभिन्न-स्तरेषु शैक्षणिकोपलब्धिभिः प्रमाणिता स्यात्।
- वेदाध्ययने अविच्छिन्नता।
- अधीतवेदस्य पारम्परिकपाठकरणे प्रवाहः।
- वेदसम्बद्धविद्यान्तरेषु समासक्तिः।
- वैदिकपरम्परानुगुणं भवदीयम् आचरणम्।
- स्ववेदशाखां वेदग्रन्थान् वा अतिरिच्य अन्यवेदशाखानां ग्रन्थानाञ्च अध्ययनम्।

Utkrishta Vedvidyarthi

This award will be given to a Vedavidyarthi who has demonstrated excellence in his Vedadhyapan of the Vedas.

This award includes a certificate, a medal and cash prize of ₹3,00,000.

You must meet all these conditions:

- You are a full-time Vedic student (vedvidyarthi) in a traditional Gurukul or with a qualified Vedic teacher on or before 31st December 2025.
- If you have completed traditional Vedic studies and are now learning Vedic literature (like Shastras), and are not engaged in any other profession for livelihood, you are eligible.
- You must have clear, provable records of your Vedic education from the beginning till now.
- You must have completed at least the minimum Level-1 qualification.
- You should not have received this award in the last 3 years.

How will students be judged?

- Academic excellence in Vedic learning.
- Continuity in Vedic education.
- Fluent recitation of the Veda you've studied.
- Interest in other areas of education.
- Personal conduct according to Vedic traditions.
- Learning beyond your own Veda branch (shaakha) — such as other branches or texts.

आदर्श वेदाध्यापक

यह पुरस्कार उन वेदाध्यापक को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने वेदाध्यापन में समर्पण और प्रतिबद्धता का आदर्श प्रस्तुत किया है।

इस पुरस्कार के अन्तर्गत एक प्रमाण-पत्र, पदक और पाँच लाख रुपये (₹ 5,00,000) की नकद राशि प्रदान की जाती है।

इस पुरस्कार के योग्य होने के लिये आपको निम्नलिखित सभी पात्रताएँ पूरी करना आवश्यक हैः

- वर्तमान में आप किसी योग्य वेदविद्यालय में वेदाध्यापक हैं या कुमाराध्यापक/एकमात्र अध्यापक हैं और स्वयं का गुरुकुल चला रहे हैं।
- पूर्ण रूप से वेदाध्यापन और वेदप्रसार के लिये समर्पित हैं।
- आपने न्यूनतम "स्तर-2" की योग्यताएँ प्राप्त कर ली हैं। (कृपया "आवेदन कैसे करें" की तालिका देखें)।
- न्यूनतम 10 वर्षों से पूर्णकालिक वेदाध्यापन कर रहे हैं।
- आपकी आयु 1 अगस्त 2026 को 65 वर्ष से अधिक नहीं हैं।
- यदि आप किसी योग्य वेदविद्यालय में वेदाध्यापन कर रहे हैं, तो आपके न्यूनतम ५ वेदविद्यार्थी होने चाहिए; यदि एक वेदाध्यापक के वेदविद्यालय में अध्यापन कर रहे हैं अथवा कुमाराध्यापक हैं, तो न्यूनतम 3 वेदविद्यार्थी होने चाहिए।
- आपने विगत तीन वर्षों में भारतात्मा आदर्श वेदाध्यापक वेद पुरस्कार प्राप्त नहीं किया है।

पात्र वेदाध्यापकों की आदर्शता का मूल्याङ्कन स्वयं और वेदविद्यार्थियों की वेदविद्या में उत्कृष्टता व निम्न मापदण्डों के आधार पर होगाः

- स्तर-२ के अतिरिक्त शैक्षिक योग्यताएँ और श्रेष्ठता जैसे स्वशाखा में षडङ्ग, भाष्य, लक्षण की योग्यताएँ और अन्य वेदशाखाओं का अध्ययन अथवा असाधारण वैदिक ज्ञान।
- आपके पूर्व और वर्तमान विद्यार्थियों द्वारा शिक्षा में अर्जित श्रेष्ठता।
- उन विद्यार्थियों की श्रेष्ठता जिन्होंने प्राथमिक वैदिक अध्ययन व योग्यताओं के बाद भी वैदिक शिक्षा के अध्ययन में निरन्तरता रखी।
- पूर्णकालिक अध्यापन के लिए प्रेरित किये गए वेदविद्यार्थियों की सङ्ख्या।
- वैदिक परम्पराओं के अनुसार जीवन आचरण।

आदर्शवेदाध्यापकः

आत्मार्पणबुद्धा वेदाध्यापने प्रतिबद्धायादर्शभूताय वेदाध्यापकाय दीयमानोऽयं पुरस्कारः।

अस्य पुरस्कारान्तर्गते प्रमाणपत्रं, पदकं पञ्चलक्षरूप्यराशिश्च ₹ ५,००,००० प्रदीयते।

अस्य पुरस्कारस्य योग्यताहेतवे भवन्तः अधोनिर्दिष्टान् सर्वान् पात्रतामापदण्डान् अवश्यं पूरयन्त्विति।

- सम्प्रति कस्मिंश्चित् योग्ये वेदविद्यालये वेदाध्यापकः अस्ति अथवा कुमाराध्यापकः एकलाध्यापकः वा अस्ति तथा च स्वस्य वेदविद्यालयं चालयति।
- पूर्णतया वेदानामध्यापने वैदिकशिक्षायाः प्रचारे च समर्पितः भवेत्।
- "द्वितीयस्तरस्य" न्यूनतमयोग्यताः अर्जिताः स्युः। ("कथमावेदनीयम्" इत्यत्र तालिका द्रष्टव्या)
- गतदशवत्सरेभ्यः अविच्छिन्नपूर्णकालिको वेदाध्यापको भवेत्।
- भवतः आयुः '१ अगस्त-२०२६' दिनाङ्के पञ्चषष्टिवर्षात् अधिकं न स्यात्।
- यदि योग्ये वेदविद्यालये पाठयति चेत् न्यूनातिन्यूनाः पञ्चवेदविद्यार्थिनः भवेयुः तथा च यदि कुमाराध्यापकरूपेण अथवा एकाध्यापकवेदविद्यालये पाठयति तर्हि न्यूनातिन्यूनाः त्रयः वेदविद्यार्थिनः भवेयुः।
- गतत्रिषु वर्षेषु "भारतात्मा आदर्शवेदाध्यापकपुरस्कारः" प्राप्तः न स्यात्।

अर्हाणां वेदाध्यापकानां मूल्याङ्कनं स्वस्य वेदविद्यार्थिनाञ्च ज्ञानोत्कृष्टतायाः अधोनिर्दिष्टमानदण्डानाञ्च आधारेण भविष्यति -

- द्वितीयस्तरम् अतिरिच्य शैक्षणिकयोग्यताः उत्कृष्टता च, यथा- स्वशाखायां षडङ्गस्य भाष्यस्य लक्षणस्य च योग्यताः तथा च अन्यशाखानामध्ययनम् असाधरणवैदिकज्ञानं वा।
- भवदीयपूर्वतनाद्यतनवेदविद्यार्थिनां वेदाध्ययने अर्जिता उत्कृष्टता।
- मूलस्तरादुपरि वेदाध्ययनं कुर्वतां भवच्छात्राणाम् उत्कृष्टता।
- पूर्णकालिकाध्यापनाय प्रेरितानां वेदविद्यार्थिनां संख्या।
- वेदोक्तधर्माचरणपूर्वकं जीवनस्य यापनम्।

Adarsh Vedadhyapaka

This award is given to a Vedadhyapaka of the Vedas who has demonstrated dedication and commitment to the Vedadhyapana of the Vedas.

This award includes a certificate a medal and cash prize of ₹5,00,000.

You must meet all these conditions:

- You are currently a Vedic teacher at a recognized Gurukul or running your own traditional Gurukul (as a lone or head teacher).
- You are fully dedicated to teaching and spreading Vedic knowledge.
- You must have at least Level-2 qualification (see the "How to Apply" section for levels).
- You must have at least 10 years of full-time teaching experience.
- You should be below 65 years of age on 1st August 2026.
- If teaching in a recognized Gurukul, you must have at least 5 students. If you're a single-teacher Gurukul or head teacher, then at least 3 students.
- You should not have received this award in the last 3 years.

How will teachers be judged?

- Advanced Vedic qualifications (Level-2 and beyond) like mastery of Vedanga, Bhashya (commentaries), Lakshana (grammar), other branches, or exceptional Vedic knowledge.
- Excellence shown by your current and former students.
- Students who have continued Vedic learning after basic studies.
- Number of students you've inspired to become full-time teachers.
- Personal life and behaviour in line with Vedic values.

उत्तम वेदविद्यालय

यह पुरस्कार उस उत्तम वेदविद्यालय को प्रदान किया जाता है, जिसने वेदों को सिखाने में अपना उत्तम योगदान प्रदान किया है।

इस पुरस्कार के अन्तर्गत एक प्रमाण-पत्र, एक वैजयन्ती और सात लाख रुपये (₹ 7,00,000) की नकद राशि प्रदान की जाती है।

इस पुरस्कार के योग्य होने के लिये वेदविद्यालय को निम्नलिखित सभी पात्रताएँ पूरी करना आवश्यक हैः

- वेदविद्यालय जिसे केन्द्र या राज्य सरकार या धर्मार्थ न्यास या मन्दिर न्यास से निधि प्राप्त हो रही हो, या गुरुकुल जिसे निजी रूप से एक अध्यापक द्वारा पोषित किया जा रहा हो।
- वेदविद्यालय सनातन श्रुति परम्परानुसार वेदाध्यापन के लिए समर्पित हो।
- वेदविद्यालय निरन्तर 20 वर्षों से सक्रिय हो।
- यदि वेदविद्यालय को सरकार या ट्रस्ट से अनुदान प्राप्त हो रहा है तो वेदविद्यालय में न्यूनतम 1 वेदाध्यापक और 5 वेदविद्यार्थी होने आवश्यक हैं; यदि एक वेदाध्यापक अथवा कुमाराध्यापक द्वारा चालित वेदविद्यालय है तो न्यूनतम 3 वेदविद्यार्थी होने आवश्यक हैं।
- वेदविद्यालय ने विगत पाँच वर्षों में भारतात्मा उत्तम वेदविद्यालय पुरस्कार प्राप्त नहीं किया हो।

पात्र वेदविद्यालयों की उत्तमता का मूल्याङ्कन निम्न मापदण्डों के आधार पर होगाः

- वेदविद्यालय के वेदविद्यार्थियों द्वारा अर्जित की गई शैक्षिक श्रेष्ठता
- वेदविद्यालय के अध्यापकों की योग्यताएँ और अनुभव
- प्रदान की गई वैदिक शिक्षा (मूलान्त से लक्षण/भाष्य इत्यादि) की गहनता
- वेदविद्यालय द्वारा बनाए गए वेदाध्यापकों की गुणवत्ता और सङ्ख्या
- प्रदत्त वैदिक शिक्षा का विस्तार (एक से अधिक वेद) और गहराई (उन्नत या असाधारण वेदशास्त्र)

उत्तमवेदविद्यालयः

वेदाध्यापने सर्वोत्कृष्टयोगदानं कृतवतः वेदविद्यालयस्य कृते दीयमानोऽयं पुरस्कारः।

अस्मिन् पुरस्कारान्तर्गते प्रमाणपत्रं, स्मारिका, पदकं, सप्तलक्षरूप्यराशिश्च ७,००,००० प्रदीयते।

अस्य पुरस्कारस्य योग्यताहेतवे अधोनिर्दिष्टाः सर्वे पात्रतामापदण्डाः वेदविद्यालयस्य कृते आवश्यकाः सन्ति-

- वेदविद्यालयः केन्द्र / राज्यसर्वकारात्, धार्मिकसंस्थायाः, देवालयसंस्थायाः वा प्राप्तानुदानः स्यात् अथवा व्यक्तिगतरूपेण एकाध्यापकेन पोषितः स्यात्।
- वेदविद्यालयः सनातनश्रुतिपरम्परानुसारं वेदाध्यापनाय समर्पितः स्यात्।
- वेदविद्यालयः गतविंशतिवत्सरेभ्यः अविच्छिन्नः प्रचाल्यमानः स्यात्।
- यदि वेदविद्यालयः सर्वकारेण कयाचित् संस्थया वा अनुदानं प्राप्नोति चेत् वेदविद्यालये न्यूनातिन्यूनः एकः वेदाध्यापकः पञ्चवेदविद्यार्थिनश्च भवेयुः, यदि एकलवेदाध्यापकस्य वेदविद्यालयः अथवा कुमाराध्यापकः वर्तते चेत् न्यूनातिन्यूनः त्रयः वेदविद्यार्थिनः अपेक्षिताः।
- वेदविद्यालयेन गतपञ्चवर्षेषु “भारतात्मा-उत्तमवेदविद्यालयपुरस्कारः” न विजितः स्यात्।

पात्रवेदविद्यालयस्य मूल्याङ्कनम् अधस्तनांशान् आधारीकरोति –

- वेदविद्यालयस्य वेदविद्यार्थिभिः अर्जितवेदाध्ययनविषयिणी उत्कृष्टता।
- वेदविद्यालयस्य वेदाध्यापकानां योग्यताः अनुभवश्च।
- प्रदत्तवैदिकशिक्षायाः (मूलान्ताद् लक्षण-भाष्यादिपर्यन्तम्) गहनता।
- वेदविद्यालयेन निर्मितानां वेदाध्यापकानां गुणवत्ता संख्या च।
- प्रदत्तवैदिकशिक्षायाः विस्तारः (एकाधिकः वेदः) गाम्भीर्यम् च (उन्नतमसाधारणं वा वेदशास्त्रम्)

Uttama Vedavidyalaya

This award is given to a Vedavidyalaya of the Vedas that has contributed most for learning of the Vedas.

This award includes a certificate, a victory emblem (Vijayanti) and cash prize of ₹7,00,000.

The Gurukul/Vedic School must meet all these conditions:

- It can be supported by the government, a trust, a temple, or a privately run school by a single teacher.
- It must be dedicated to teaching Vedas in the traditional oral Shruti tradition.
- It must have been active for at least 20 years continuously.
- If receiving support from a government or trust: must have at least 1 Vedic teacher and 5 students.
- If privately run by one teacher: must have at least 3 students.
- The school should not have received this award in the past 5 years.

How will schools be judged?

- Academic achievements of students.
- Teachers’ qualifications and experience.
- Depth of education provided—from basic chanting to advanced studies like grammar and commentaries.
- Quality and number of students who became Vedic teachers.
- Breadth (multiple Vedas taught) and depth (advanced studies) of Vedic education offered.

आवेदन कैसे करें

आवेदन प्रस्तुत करने की अन्तिम दिनांक 30 जून 2026 है। 30 जून मध्यरात्रि 12 बजे से पूर्व ऑनलाइन माध्यम से आवेदन प्रस्तुत कर दिये जाने चाहिए। नियत दिनांक के पश्चात् आवेदन का लिंक स्वतः ही निष्क्रिय हो जायेगा।

प्रत्येक श्रेणी के लिये ऑनलाइन आवेदन आप हमारी वेबसाइट https://forms.bharatatmapuraskar.org/login से भर सकते हैं।

ऑनलाइन आवेदन करने पूर्व लिंक के माध्यम से अपना पञ्जीकरण करें तथा दिए गए योग्यता मापदण्डों एवं दिशानिर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर समझ लें। यह भी सुनिश्चित करें कि आपने योग्यता मापदण्डों को पूरा करने के लिए आवश्यक सभी प्रलेख साक्ष्य के तौर पर प्रस्तुत कर दिए हैं।

कथमावेदनीयम्

आवेदनपत्रप्राप्तेः अन्तिमदिनाङ्कः - ३० जून २०२६ वर्तते। आवेदनपत्रं जून-मासस्य ३० दिनाङ्के मध्यरात्रौ १२ वादनात् पूर्वम् अन्तर्जालीयमाध्यमेन दातव्यम्। नियतदिनाङ्कानन्तरम् अन्तर्जालीयावेदनव्यवस्था स्वयमेव निष्क्रिया भविष्यति।

https://forms.bharatatmapuraskar.org/login इत्यतः अस्माकम् अन्तर्जालीयपुटतः प्रत्येकं श्रेण्याः कृते अन्तर्जालीयावेदनपत्रं पूरयितुं शक्यते।

अन्तर्जालीयावेदनं कर्तुं पूर्वं लिङ्क-माध्यमेन पञ्जीकरणं कुर्वन्तु। तथा च प्रदत्तान् योग्यतामापदण्डान् दिशानिर्देशांश्च अवधानेन पठित्वा सम्यगवगच्छन्तु। एतदपि सुनिश्चितं कुर्वन्तु यत् योग्यतामापदण्डपूर्त्यर्थं अपेक्षिताः सर्वे प्रलेखाः प्रमाणरूपेण सम्यक् समर्पिताः सन्तीति।

How to apply

All applications must be submitted online before 12:00 midnight on 30 June 2026. After the deadline, the application link will automatically become inactive.

For each category, online applications can be submitted through our website:

https://forms.bharatatmapuraskar.org/login

Before filling out the online application, please register yourself using the given link. Carefully read and understand the eligibility criteria and guidelines provided.

Also ensure that you have uploaded all the required supporting documents as proof of eligibility while submitting your application.

चयन प्रक्रिया

सिंघल फाउण्डेशन प्रत्येक श्रेणी के विजेता को चुनने के लिए एक उच्च गुणवत्ता युक्त, निष्पक्ष और गोपनीय चयन प्रक्रिया अपनाती है। विजेताओं का निर्णय तीन चरणों वाली प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है। प्रथम चरण में प्राथमिक स्तर पर आवेदनों की योग्यता एवं निर्धारित मापदण्डों के आधार पर समीक्षा की जाती है तथा योग्य आवेदनपत्रों को चुना जाता है। द्वितीय चरण में वेदविशेषज्ञों की एक अनुशंसा समिति गठित की जाती है। यह समिति समीक्षा किए गए आवेदनपत्रों (वेदविद्यार्थियों, वेदाध्यापकों और वेदविद्यालयों की पहचान अज्ञात) की पुनः समीक्षा करती है तथा सम्भावित विजेताओं की छँटनी कर एक सूची तैयार करती है। यह छँटनी आवेदकों द्वारा आवेदनपत्र में प्रदत्त जानकारियों के आधार पर की जाती है। इसके पश्चात् तृतीय चरण में वेदविशेषज्ञों की एक अन्य वरिष्ठ निर्णायक समिति (जूरी) बनाई जाती है। इस समिति में सभी वेदों के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ होते हैं। अनुशंसा समिति द्वारा बनाई गई सम्भावित विजेताओं की सूची पर इस वरिष्ठ समिति द्वारा विचार किया जाता है। विजेताओं पर अपना अन्तिम निर्णय लेने से पूर्व वरिष्ठ निर्णायक समिति (जूरी) चयनित वेदविद्यालयों का निरीक्षण करती है तथा चयनित वेदाध्यापकों और वेदविद्यार्थियों से साक्षात्कार करती है। भारतात्मा पुरस्कार के विजेताओं के नामों की घोषणा पुरस्कार वितरण के समय ही की जाती है, तब तक विजेताओं के नामों को गोपनीय रखे जाते हैं।

चयनप्रक्रिया

सिंघलफाउण्डेशन इति संस्था प्रत्येकं श्रेण्याः विजेतारं चेतुम् एकां उच्चगुणवत्तायुक्तां निष्पक्षां गोपनीयचयनप्रक्रियाम् अङ्गीकरोति। विजेतॄणां निर्णयः त्रिचरणीयप्रक्रियायाः माध्यमेन भवति। प्रथमचरणे तावत् प्राथमिकस्तरे निर्धारितयोग्यतानां मापदण्डानाञ्च आधारेण प्राप्तावेदनानां समीक्षा क्रियते तथा च योग्यावेदनपत्राणि चीयन्ते। द्वितीयचरणे वेदविशेषज्ञानाम् एका अनुशंसासमितिः भवति। एषा समितिः समीक्षितावेदनपत्राणां (वेदविद्यार्थिनां, वेदाध्यापकानां, वेदविद्यालयानाञ्च नामानि अज्ञातानि भवन्ति।) पुनः समीक्षां करोति तथा च सम्भावितविजेतॄणामेकां सूचीं निर्माति। एतत् सूचीनिर्माणम् आवेदनपत्रे आवेदकैः प्रदात्तानां सूचनानाम् आधारेण भवति। तदनन्तरं तृतीयचरणे वेदविशेषज्ञानाम् एका अन्या वरिष्ठनिर्णायकसमितिः (जूरी इति) भवति। अस्यां समित्यां सर्ववेदानां प्रतिष्ठितविशेषज्ञाः भवन्ति। अनुशंसासमित्या सम्भाव्यविजेतॄणां या सूची निर्मिता तदुपरि एषा वरिष्ठनिर्णायकसमितिः विचारयति। विजेतॄणां विषये अन्तिमनिर्णयस्य प्राक् वरिष्ठनिर्णायकसमितिः चयनितवेदविद्यालयानाम् निरीक्षणं करोति, चयनितवेदाध्यापकानां वेदविद्यार्थिनाञ्च साक्षात्कारं करोति। भारतात्मपुरस्कारविजेतॄणां नामानि पुरस्कारवितरणसमये एव उद्घोषितानि भवन्ति, तावत्पर्यन्तं विजेतॄणां नामानि गोपनीयानि भवन्ति।

The selection process

Singhal Foundation follows a high-quality, fair, and confidential selection process to choose the winners in each category. The decision is made through a three-stage process. In the first stage, applications are screened based on eligibility and criteria, and only qualified applications are shortlisted. In the second stage, a recommendation committee comprising Vedic experts reviews the shortlisted applications again. During this process, the identity of the applicants (whether students, teachers, or schools) remains anonymous. The committee then prepares a list of potential winners based on the information provided in the forms. In the third and final stage, a senior jury—made up of distinguished scholars from all four Vedas—reviews the list. Before making the final decision, the jury visits the shortlisted Vedic schools and conducts interviews with the selected students and teachers. The names of the winners are kept confidential until the award ceremony, where they are officially announced.

आवेदन की अंतिम दिनांक 30.06.2026

आवेदनपत्रप्राप्तेः अन्तिमदिनाङ्कः ३०.०६.२०२६ वर्तते।

Last date for receipt of applications: 30.06.2026

अनुशंसा

सिंघल फाउण्डेशन को विदित है कि कई वेदाध्यापक वेदाध्यापन को स्वधर्म समझ वेद के प्रति समर्पित हैं और वे किसी पुरस्कार इत्यादि के लिए अपना आवेदन नहीं देना चाहते। हम ऐसे पूर्णरूपेण समर्पित वेदाध्यापकों को भी भारतात्मा पुरस्कार की प्रक्रिया से जोड़ना चाहते हैं। भारतात्मा पुरस्कार की इस दशम शृङ्खला (2026) में आदर्श वेदाध्यापक श्रेणी हेतु योग्य नामों की अनुशंसा करने का भी प्रावधान किया गया है। वेदाध्यापक श्रेणी हेतु निर्धारित मापदण्डों एवं व्यक्तिगत ज्ञान के आधार पर कोई भी वैदिक विद्वान अथवा विद्यार्थी अपने गुरूजी का नाम व सम्पर्क जानकारी सिंघल फाउण्डेशन को ई-मेल अथवा SMS पर १ मार्च से 31 मई 2026 तक भेज सकते हैं। हम अनुशंसित गुरुजी से सम्पर्क कर उनका आवेदन प्राप्त करने का प्रयत्न करेंगे।

अनुशंसा

सिंघलप्रतिष्ठानेन ज्ञायते यद् बहवः वेदाध्यापकाः वेदाध्यापनं स्वधर्मम् इति मत्वा वेदसेवायां समर्पिताः किन्तु तैः पुरस्कारार्थम् आवेदनं न क्रियते। वयं एतादृशान् पूर्णरूपेण वेदाध्यापने समर्पितान् आचार्यान् अपि भारतात्मापुरस्कारचयनप्रक्रियया योक्तुमिच्छामः। भारतात्मापुरस्कारस्य दशमशृंखलायां (२०२६ तमवर्षस्य) आदर्शवेदाध्यापकश्रेण्यां योग्यनाम्नाम् अनुशंसायाः प्रावधानमपि विहितमस्ति। यः कोऽपि वैदिकविद्वान् वा वेदविद्यार्थी पुरस्कारार्थं वेदाध्यापकश्रेण्यां निर्धारितमापदण्डानां पूरयितुः स्ववेदाध्यापकस्य वैदिकविदुषः वा नाम-सम्पर्कङ्केतादिकञ्च सिङ्घलप्रतिष्ठानस्य पार्श्वे ई-मेल अथवा SMS माध्यमेन १ मार्चतः ३१ मई २०२६ पर्यन्तं प्रेषयितुं शक्नोति। वयम् अनुशंसिताचार्येण सह संपर्कं विधाय आवेदनं प्राप्तुं यतिष्यामहे।

Recommendation

The Singhal Foundation understands that many Vedic teachers consider teaching the Vedas as their sacred duty and are fully dedicated to it. Such teachers may not wish to apply for any award themselves. We would like to include these completely devoted Vedic teachers in the Bharatatma Award process as well. In the 10th edition (2026) of the Bharatatma Award, there is a provision to recommend deserving names for the Ideal Vedic Teacher category. Based on the prescribed eligibility criteria for the Vedic Teacher category and on personal knowledge, any Vedic scholar or student may recommend the name and contact details of their respected Guruji to the Singhal Foundation via email or SMS between 1 March and 31 May 2026. The Foundation will then contact the recommended Guruji and make efforts to obtain their application.

*वेदाध्ययन समकक्षता सूची

अध्ययन स्तर	ऋग्वेद	कृष्ण यजुर्वेद	शुक्ल यजुर्वेद	सामवेद	अथर्ववेद
स्तर - 1	क्रमपाठ	क्रमपाठ	क्रमपाठ	सम्पूर्ण आर्चिक संहिता, प्रकृतिगान से महानाम तक, सम्पूर्ण छान्दोग्यमन्त्र ब्राह्मण	सम्पूर्ण अथर्ववेद संहिता, गोपथ ब्राह्मण, मुण्ड-माण्डुक्य उपनिषद, माण्डुकीशिक्षा कौशिक गृह्यसूत्र, वैखानस श्रौतसूत्र
स्तर - 2	घनपाठ	घनपाठ	घनपाठ (बृहदारण्यक के साथ)	सामवेद संहिता के पूर्वार्चिक और उत्तरार्चिक का सम्पूर्ण पादपाठ, ऊहगान, रहस्यगान और सम्पूर्ण छान्दोग्योपनिषद्	उपर्युक्त और अथर्वज्योतिष, कौश्यनिघण्टु, अष्टाध्यायी, संहिता पञ्चलक्षण भाष्य

सिंघल फाउण्डेशन

सिंघल फाउण्डेशन स्व० श्री पी०पी० सिंघल की स्मृति में उनके तीनों पुत्रों द्वारा स्थापित एक पंजीकृत न्यास है। स्व० श्री सिंघल द्वारा अपने जीवनकाल में प्रारम्भ किए गए परोपकारी कार्यों को जारी रखने के उद्देश्य से इस न्यास की स्थापना सन् 1980 में की गई। श्री अशोकजी सिंघल श्री पी०पी० सिंघल के छोटे भाई थे और उन्हीं की प्रेरणा से सिंघल परिवार वेद सेवा के लिए प्रतिबद्ध है।

भारतात्मा पुरस्कार के माध्यम से हम वेदसेवा के प्रति अपनी वचनबद्धता दोहराना चाहते हैं। सिंघल फाउण्डेशन द्वारा स्थापित भारतात्मा अशोकजी सिंघल वेद पुरस्कार वैदिक शिक्षा के क्षेत्र में पहले राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार हैं। इन पुरस्कारों का दोहरा उद्देश्य है, पहला वैदिक शिक्षा को प्रोत्साहित करना और दूसरा वेदसेवा के लिए अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित करने वाले स्व० श्री अशोकजी सिंघल की पुण्य स्मृति को चिरस्थायी बनाए रखना। सिंघल फाउण्डेशन वार्षिक रूप से उत्तम वेदविद्यालय, आदर्श वेदाध्यापक और उत्कृष्ट वेदविद्यार्थी श्रेणियों में ये पुरस्कार प्रदान करता है।

सिङ्घलप्रतिष्ठानम्

सिङ्घलप्रतिष्ठानं स्वर्गतस्य पि०पि०सिङ्घलमहाभागस्य स्मृतौ तस्य त्रिभिः पुत्रैः स्थापितः एकः पञ्जीकृतन्यासः वर्तते। स्वर्गतैः पि०पि०सिङ्घलमहाभागैः स्वजीवनकाले समारब्धानां धार्मिककार्याणाम् अनुवर्तनाय सिङ्घलप्रतिष्ठानं १९८० तमे वर्षे प्रत्यष्ठाप्यत।

अशोकसिङ्घलमहाभागः श्री-पि०पि०सिङ्घलमहोदयस्य अनुजः आसीत्। तस्य महाभागस्य प्रेरणया सिङ्घलकुटुम्बः वेदसेवायां प्रतिबद्धः वर्तते। भारतात्मा-पुरस्कारमाध्यमेन वयं वेदसेवाविषयिणीम् अस्मत्प्रतिनिबद्धताम् अनुवर्तयितुमिच्छामः। सिङ्घलप्रतिष्ठानेन स्थापिताः "भारतात्मा-अशोकजीसिङ्घल-वैदिकपुरस्काराः" वैदिकशिक्षाक्षेत्रे ऐदंप्राथम्येन दीयमानाः राष्ट्रस्तरीयाः पुरस्काराः सन्ति। एतेषां पुरस्काराणां प्रयोजनद्वयमस्ति - वैदिकशिक्षायाः प्रोत्साहनं वेदसेवायां समर्पितस्य स्वर्गतस्य अशोकसिङ्घलमहाभागस्य नाम्नः शाश्वतीकरणञ्च।सिङ्घलप्रतिष्ठानं प्रतिवर्षम् उत्तमवेदविद्यालय - आदर्शवेदाध्यापक - उत्कृष्टवेदविद्यार्थि - श्रेणिषु इमान् पुरस्कारान् वितरति। वयमाशास्महे यदिमे पुरस्काराः वेदशिक्षामनुसर्तुम् अस्याः प्रचारप्रसारार्थञ्च प्रोत्साहयिष्यन्तीति।

Singhal Foundation

Singhal Foundation is a registered trust, founded in the memory of Late Shri P.P. Singhal by his three sons. This trust was founded in 1980 to continue the charitable works initiated by Late Shri Singhal during his lifetime.

Shri Ashokji Singhal was the younger brother of Shri P.P. Singhal. The family, taking inspiration from him, has committed to the services of Vedas. Bharatatma Puraskar are the first national level awards in the field of Vedic education. The purpose of these awards is to encourage Vedic education and to perpetuate the memory of Shri Ashokji Singhal who dedicated his life to the service of Vedas. Through these awards, the Singhal family wants to reiterate its commitment to the service of the Vedas.

The Foundation gives awards every year under three categories: Best Vedic School, Ideal Vedic Teacher and Excellent Veda Student.